सिर पे सजाके मोतियों का ताज

सिर पे सजा के मोतियों का ताज,
रखने को अपने भक्तों की लाज,
ये गौरी के ललना आये गजराज,
गौरी के ललना आये गजराज,
सिर पे सजाके मोतियों का ताज,
रखने को अपने भक्तों की लाज,
ये गौरी के ललना आये गजराज।

श्रद्धा से झोलिया अपनी पसारो,
श्रद्धा से झोलिया अपनी पसारो,
सिद्धिविनायक को मन से पुकारो,
सिद्धिविनायक को मन से पुकारो,
माँगना जो तुमने माँग लेना आज,
माँगना जो तुमने माँग लेना आज,
ये गौरी के ललना आये गजराज,
सिर पे सजाके मोतियों का ताज।

दया की दृष्टि ये जिनपे करेंगे,
दया की दृष्टि ये जिनपे करेंगे,
दुखरो भी उनके तो पल में हरेंगे,
दुखरो को उनके तो पल में हरेंगे,
भक्तो की चिंता का होगा इलाज,
भक्तो की चिंता का होगा इलाज,
ये गौरी के ललना आये गजराज,
सिर पे सजाके मोतियों का ताज।

ये है महोदर वे गणराज दाता,
ये है महोदर वे गणराज दाता,
करुणा का सागर ये भाग्यविधाता,
करुणा का सागर ये भाग्यविधाता,
जिसे भाये निर्दोष भक्ति का साज,
जिसे भाये निर्दोष भक्ति का साज,
ये गौरी के ललना आये गजराज,
सिर पे सजाके मोतियों का ताज
ये गौरी के ललना आये गजराज,
रखने को अपने भक्तो की लाज,
ये गौरी के ललना आये गजराज.....

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24447/title/sir-pe-sajake-motiyon-ka-taaz

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |